संकल्प

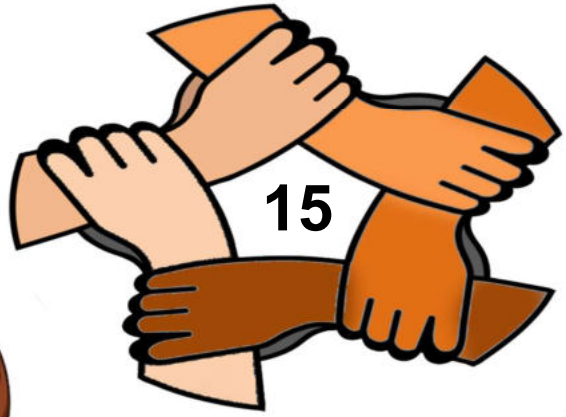

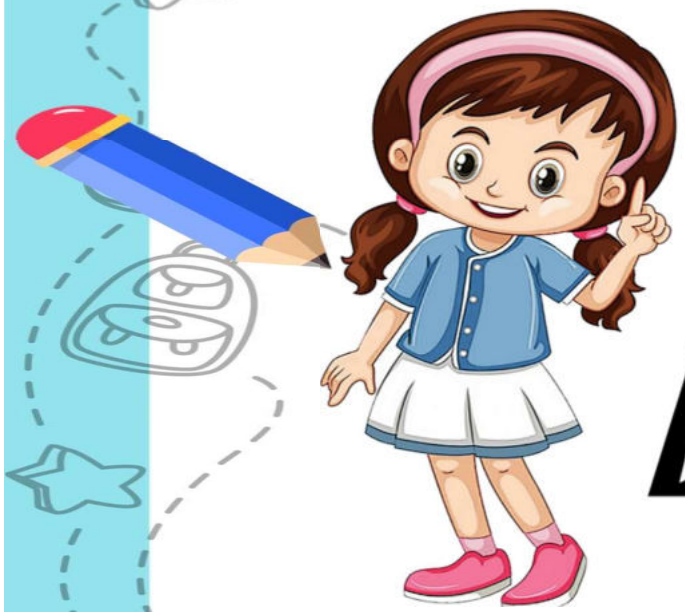

HINDI LITERACY TEAM
CHANDIGARH

प्रेरणा और प्रेरक की ओर से सभी साथियों को ‘स्वतंत्रता दिवस’ की हार्दिक शुभकामनाएँ!

15 अगस्त 2021

नन्हा मुन्ना राही हूँ...
देश का सिपाही हूँ...
बोलो मेरे संग....
जय हिन्द, जय हिन्द।

जय हिन्द, जय हिन्द...
प्रेरक, सुबह–सुबह कहाँ
घूम रहे हो?

दीदी, मैं सबको 'स्वतंत्रता दिवस' की बधाई देने जा रहा हूँ।

अरे वाह!
क्या तुम्हें मालूम भी है, हम 'स्वतंत्रता दिवस' क्यों मनाते है ?

हाँ दीदी, 15 अगस्त 1947 को हमारा देश आज़ाद हुआ था।
क्या आप को इस बारे में कुछ और भी मालूम है ?

हाँ प्रेरक, स्वतंत्र का अर्थ है - अपना शासन।
15 अगस्त 1947 को हमारा देश अंग्रेज़ों की पराधीनता से मुक्त हुआ था, कई आन्दोलन हुए, सैंकड़ों क्रांतिकारी शहीद हुए, फ़िर मिली हमें यह आज़ादी और अपना शासन, समझे।

और भी बताती हूँ, यदि हम इतिहास के पन्नों को खंगाले तो हमें पता चलता है कि अंग्रेज (थॉमस रो) सर्वप्रथम वर्ष 1615 ई० में व्यापार के उद्देश्य से भारत में आए थे। मुगल सम्राट जहाँगीर ने उन्हें व्यापार की आज्ञा दी और व्यापार की आड़ में अंग्रेजों ने पूरे देश पर अपना अधिकार जमा लिया।

अच्छा दीदी,
ऐसा हुआ था?

हाँ, और अंग्रेज़ों के अत्याचारों से तंग आकर वर्ष 1857 ई० में भारत का 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' शुरू हुआ। झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई, तांत्या टोपे, नाना साहिब, बहादुर शाह ज़फर, जैसे; सेनानियों ने अंग्रेजों से मुकाबला किया परंतु वह सफल नहीं हो पाए। यह तो स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत थी। इसने लोगों को जागरूक किया और 1947 ई० तक हमारे देश में अंग्रेज़ों के विरुद्ध असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन, भारत छोड़ो आन्दोलन जैसे कई आंदोलन हुए। अंततः 15 अगस्त 1947 ई० को हमारा राष्ट्र एक स्वतंत्र राष्ट्र बना और देशवासियों को आज़ादी का सूर्य देखने को मिला।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी

तो दीदी, क्या आप मुझे कुछ और आंदोलनकारियों व क्रांतिकारियों के बारे में बता सकती हो ?

हाँ-हाँ क्यों नहीं, मैं साथ-साथ तुम्हें देश की आज़ादी के इतिहास के कुछ महत्वपूर्ण वर्ष भी बताती हूँ। हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में फाँसी चढ़ने वाले पहले क्रांतिकारी थे 'खुदीराम बोस', उन्हें वर्ष 1908 में फाँसी की सज़ा दी गई थी।

वर्ष 1919 में अमृतसर में जलियांवाला बाग में वैशाखी वाले दिन एकत्रित हुई शांतिपूर्ण भीड़ पर अंग्रेज़ अधिकारी जनरल ओ डायर ने गोलियाँ चलवाई, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए मगर इससे लोग डरे नहीं बल्कि आज़ादी के लिए एकजुट हो गए।

शहीदी स्मारक जलियाँवाला बाग़

1920 ई० में महात्मा गांधी ने 'असहयोग आंदोलन' चलाया।

1928 ई० में 'पंजाब केसरी' लाला लाजपत राय ने लाहौर में 'साइमन कमीशन' का विरोध करते हुए आंदोलन का नेतृत्व किया। अंग्रेज़ों द्वारा किए गए लाठीचार्ज में घायल हो कर उनकी मृत्यु हो गई, जिसने जनमानस को आज़ादी के आंदोलन के लिए प्रेरित किया। बाल गंगाधर तिलक और विपिन चन्द्र पाल के साथ इस 'त्रिमूर्ति' को 'बाल-लाल-पाल' के नाम से जाना जाता था। इन्हीं तीनों नेताओं ने सबसे पहले भारत में 'पूर्ण स्वतन्त्रता' की माँग की थी।

लाला लाजपत राय ने कहा था,"मेरे शरीर पर पड़ी एक–एक लाठी अंग्रेज़ी शासन के ताबूत में कील साबित होगी।"

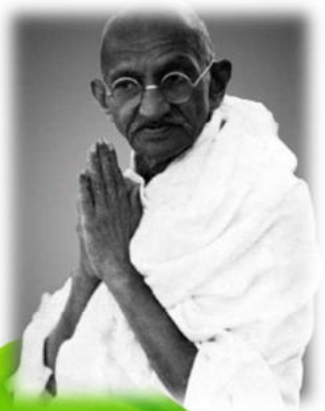

1929 ई० में जवाहरलाल नेहरू ने 'पूर्ण स्वराज्य' की मांग की और इसी वर्ष चंद्रशेखर 'आज़ाद' जैसे महान क्रांतिकारी आज़ादी की राह में शहीद हुए।

1930 ई० में गांधी जी ने 'नमक कानून' के विरोध में 'दांडी यात्रा' शुरू की। इस में आम लोगों ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस आंदोलन को 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' भी कहा जाता है।

1929 ई० में 'भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त' ने असेंबली में बम फेंका। उनका उद्देश्य किसी को मारना नहीं बल्कि लोगों की आवाज ब्रिटिश सरकार तक पहुँचाना था कि हमें इस पराधीनता से आज़ादी चाहिए।

23 मार्च 1931 को ब्रिटिश सरकार ने भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को फाँसी की सज़ा सुनाई और यह तीनों वीर 'भारत माता की जय' व 'वन्दे मातरम्' के नारे लगाते हुए खुशी-खुशी फाँसी के फंदे पर झूल गए। इन तीनों की शहीदी ने जनता को आक्रोशित कर दिया और लोग ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध स्वतन्त्रता आंदोलनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने लगे।

1942 ई० में महात्मा गांधी ने 'भारत छोड़ो' आंदोलन शुरू किया। जल्द ही यह आंदोलन लोगों में लोकप्रिय हो गया। जगह-जगह सरकार के खिलाफ़ प्रदर्शन होने शुरू हो गए।

1943 ई० में 'आज़ाद हिंद फौज़' की स्थापना हुई। उस समय दूसरा विश्व युद्ध चल रहा था। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने कहा था,"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।" नेताजी के नेतृत्व में आज़ाद हिन्द फौज़ ने अंग्रेज़ सेनाओं से देश की सीमाओं पर सामना करना शुरू किया।

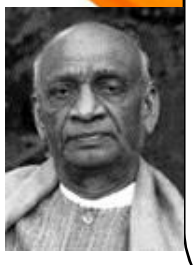

देशवासियों के अथक प्रयासों से 15 अगस्त 1947 ई० के 'शुभ दिन' हमारा देश स्वतंत्र हुआ। सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, महात्मा गांधी, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, करतार सिंह सराभा, उधम सिंह, लाला लाजपत राय, बिपिन चंद्र पाल, बाल गंगाधर तिलक, आदि कई ऐसे महान सेनानी है, जिन्होंने देश हित में अपना तन-मन-धन-जीवन होम कर दिया। किसी ने जीवन खोया तो किसी ने परिवार परंतु देश ने आज़ादी पाई।

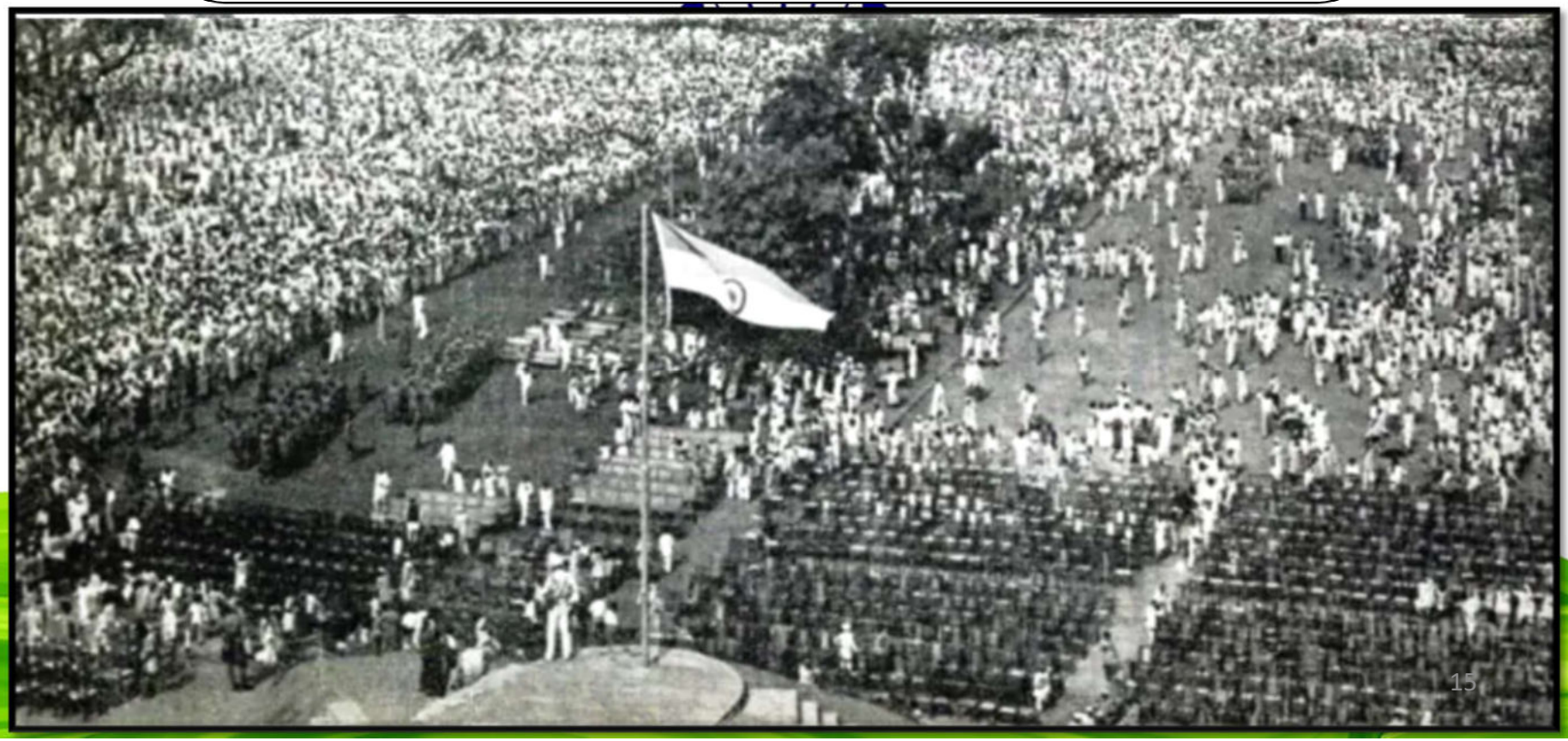

नई सुबह : 15 अगस्त 1947

लाल किला, नई दिल्ली

अरे वाह! दीदी, इतनी बातें, इतना कुछ।
मैं सब कुछ याद रखूंगा।
हाँ भाई, मैंने तो तुम्हें बहुत थोड़ा सा बताया है। तुम चाहो तो इन्टरनेट और पुस्तकों के माध्यम से अपने देश के गौरवशाली इतिहास को जान सकते हो कि हमारा देश कैसे आज़ाद हुआ था ?

तभी इस दिन देश भर में उत्सव मनाया जाता है, तिरंगा फ़हराया जाता है।
हाँ भाई, हमारे विद्यालयों में व सभी राजकीय कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' फ़हराया जाता है। राजकीय उत्सव मनाएं जाते है, जिसमें बच्चे व देश की सुरक्षा सेनाएँ भाग लेती है। देशभक्ति के गीत सब तरफ़ गूंजते है ताकि हम याद रखें कि यह देश हमारा है और इसका भविष्य हम बच्चे हैं।

अरे वाह! आज तो दिन सफ़ल हो गया, इतनी नई बातें पता चली है। दीदी, मैं इन्हें कभी नहीं भूलूंगा।
मैं कैसे मानूँ ...? मेरे प्रश्नों के उत्तर दे तो जानूँ....!

1. निम्न में से किस स्वतंत्रता सेनानी ने 1857 ई० के संग्राम में भाग नहीं लिया था? (सही विकल्प चुनें)

I. लक्ष्मीबाई　　II. भगत सिंह

III. तांत्या टोपे　　IV. नाना साहिब

2. वर्ष 1930 ई० में भगत सिंह के साथ मिल कर असेंबली में बम फेंकने वाले क्रांतिकारी का नाम क्या था?

I. करतार सिंह सराभा　　II. उधम सिंह

III. बटुकेश्वर दत्त　　IV. सुखदेव

3. "मेरे शरीर पर पड़ी एक–एक लाठी अंग्रेजी शासन के ताबूत में कील साबित होगी।" यह वाक्य किस स्वतंत्रता सेनानी ने कहे थे ?

I. बाल गंगाधर तिलक　　II. रवीन्द्रनाथ टैगोर

III. जवाहर लाल नेहरु　　IV. लाला लाजपत राय

4. दिए गए शब्दांशों \ वाक्यांशों को पुन: व्यवस्थित कर अर्थपूर्ण वाक्य बनाएँ।

i) संघर्ष के बाद भारत अंग्रजों की/ ii) हम 15 अगस्त को स्वतंत्रता/ iii) हुकूमत से आज़ाद हुआ/ iv) और तब से ले कर आज तक/ v) दिवस के रूप मानते हैं।

5. चित्र देखकर इन स्वतंत्रता सेनानियों को पहचाने और उनके नाम लिखें।

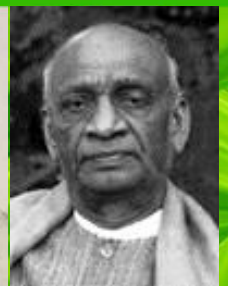

उत्तर माला :

1. II. भगत सिंह
2. III. बटुकेश्वर दत्त
3. IV. लाला लाजपत राय
4. I,III,IV,II,V
5. बाल गंगाधर तिलक, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, खुदीराम बोस, चंद्रशेखर 'आज़ाद', सरदार वल्लभ भाई पटेल

'संकल्प' पत्रिका का प्रस्तुत अंक 'स्वतंत्रता दिवस' के उपलक्ष्य में जारी किया गया है। यह अंक स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित जानकारी से भरपूर है।

इन्हें भी जानें – कुछ रोचक तथ्य

- भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और विश्व का सातवाँ सबसे बड़ा देश है।
- 15 अगस्त केवल भारत का ही नहीं तीन अन्य देशों दक्षिण कोरिया, बहरीन और कांगो का भी स्वतंत्रता दिवस है।
- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से झंडा फहराते हैं लेकिन वर्ष1947 में ऐसा नहीं हुआ था, जवाहरलाल नेहरू जी ने 16 अगस्त को लाल किले पर तिरंगा फहराया था।
- जिस दिन भारत आज़ाद हुआ यानि 15 अगस्त तब तक भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा रेखा का निर्धारण नहीं हुआ था। इसका फैसला 17 अगस्त को 'रेडक्लिफ लाइन' की घोषणा से हुआ था।
- दूसरे विश्व युद्ध में जापान की सेना ने ब्रिटेन के सामने 15 अगस्त के दिन आत्मसमर्पण किया था, लॉर्ड माउंटबेटन उस ब्रिटिश सेना की अगुवाई कर रहे थे इसलिए भारत का वायसराय होते हुए उन्होंने भारत की आज़ादी के लिए भी 15 अगस्त का दिन ही चुना।
- भारत की स्वतंत्रता के समय इसका कोई राष्ट्रगान नहीं था, वर्ष 1950 में संविधान लागू होने पर ही 'जन-गण-मन' देश का राष्ट्रगान बना।